आज़ादी का
अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 15.01.2024 से 21.01.2024)

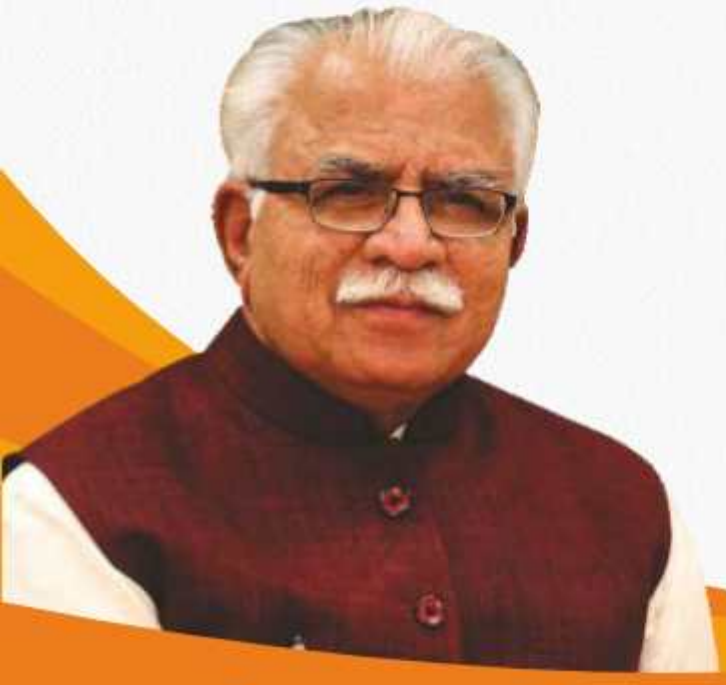

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

साप्ताहिक सूचना पत्र

द्वितीय पंचकूला पुस्तक मेले का उद्घाटन

(दिनांक 15.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज **सेक्टर–5 स्थित यवनिका पार्क में बिजली कंपनियों के तत्वावधान में 6 अन्य विभागों द्वारा आयोजित द्वितीय पंचकूला पुस्तक मेला के उद्घाटन** अवसर पर कहा कि पुस्तकों में भाषा का समन्वय ठीक उसी प्रकार होता है, जिस प्रकार शरीर व आत्मा का

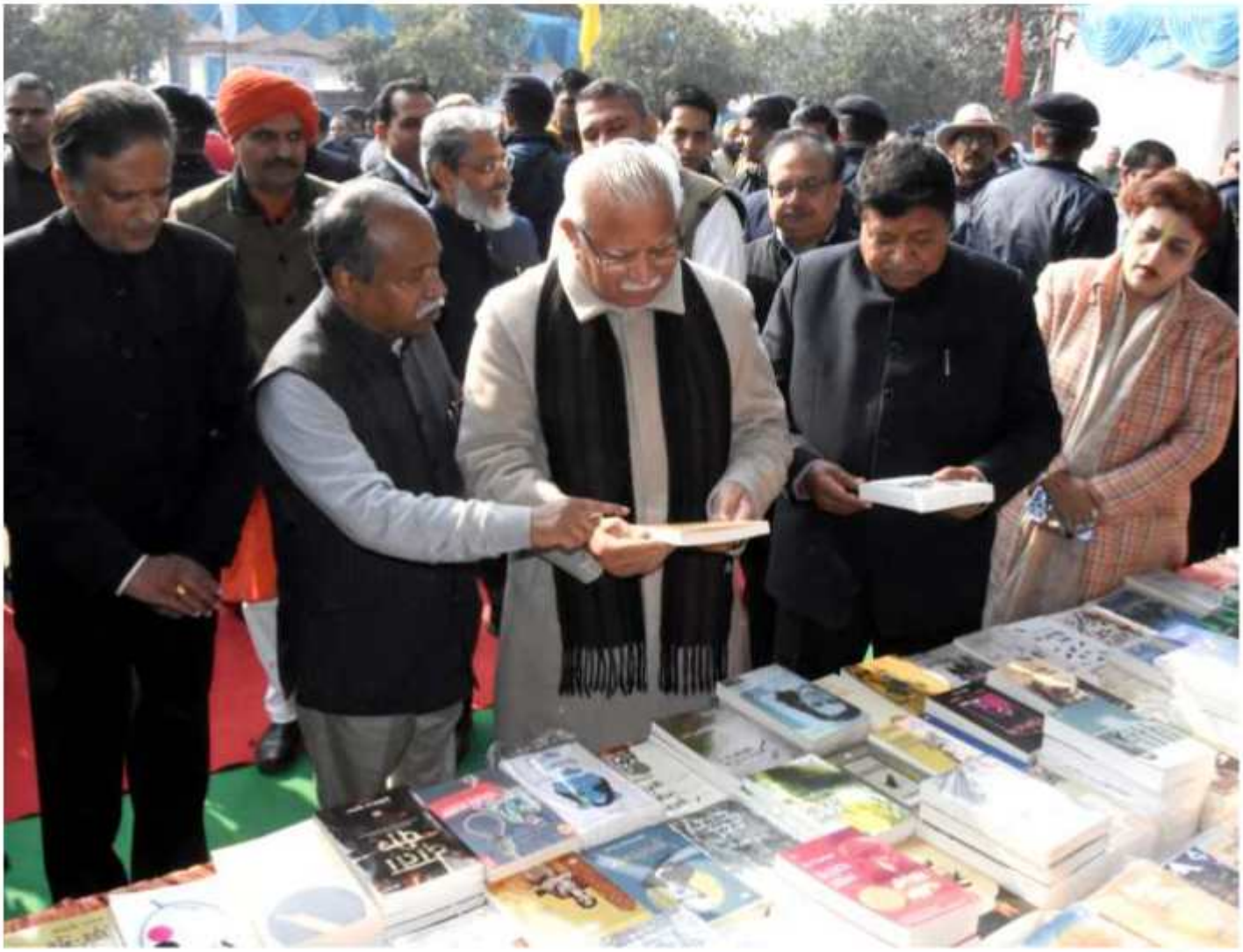

साप्ताहिक सूचना पत्र

आपसी संबंध होता है। इस मेले में राष्ट्रीय बुक ट्रस्ट का भी विशेष योगदान है। पुस्तक मेला 22 जनवरी तक चलेगा। मेले में लगभग 100 प्रकाशकों में स्टाल लगाए है, जिनमें हिंदी, अंग्रेजी, ऊर्दू, संस्कृत, पंजाबी आदि की पुस्तकें उपलब्ध होंगी। **''ज्ञान की रोशनी से रोशन होता हरियाणा, विद्युत प्रवाह से ज्ञान प्रवाह'' पुस्तक मेले का थीम है।** माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पुस्तकें ज्ञानवर्द्धक होती है। जब भी हमें समय मिले, पुस्तकें अवश्य पढनी चाहिए, केवल दिखावे के लिए बल्कि वास्तविक ज्ञान हासिल करने के लिए पुस्तकें पढनी चाहिए। **प्राचीन काल में भावी पीढ़ी को ज्ञान देने के लिए श्रुति ज्ञान का सहारा लिया जाता था।** पुस्तकें हमें मानसिक तनाव से भी दूर करती है। पुस्तकालयों में अध्यात्मिक, खेल, संस्कृति, कहानी, कथा, व्यंगकारों सहित विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध होती है। माननीय

साप्ताहिक सूचना पत्र

प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि स्वागत या अभिनंदन के समय बुके नहीं बुक देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर में भी एक पुस्तकालय खोला गया है।

अधिकारी व मीडिया कर्मी भी यहां से पुस्तकें ले रहे है। उन्होंने कहा कि **हम सभी को लेखक शिवलाल शुक्ल, आईएएस सेवानिवृत की पुस्तक ''राग दरबारी'' अवश्यक पढनी चाहिए क्योंकि इस पुस्तक में राष्ट्र जीवन की दिशा पर पंडित दीन दयाल उपाध्याय के लेख भी संकलित है।** वे सदैव गीता के श्लोक कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन, पर चलते हुए कर्म कर रहे है, फल की इच्छा कभी नहीं की, फल तो अपने आप मिल जाता है। षब्द ज्ञान की महिमा अपरंपार है। **सबसे पहले अक्षरज्ञान हुआ, फिर शब्दज्ञान हुआ, फिर वाक्य बने, फिर भाषा व लिपि बनी और पुस्तकें बनी। आज डिजिटल युग में ई–लाईब्रेरी की अवधारणा भी आ गई है।** उल्लेखनीय है कि 22

अक्तूबर 2020 को करनाल जिले के काच्छवा गांव में सीएसआर के तहत बिजली निगमों द्वारा संचालित की गई पहली ई–पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया था। आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने तीन और पुस्तकालयों नामत सरदार पटेल पुस्तकालय समाना बहु करनाल, सरदार पटेल पुस्तकालय मोहड़ी कुरूक्षेत्र व सरदार पटेल पुस्तकालय धौलरा यमुनानगर का भी रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया। उन्होंने बिजली निगमों में 25 वर्ष सुधारों ई–मैगजीन विद्युत प्रवाह से ज्ञान प्रवाह पुस्तक का अनावरण किया। इसके अलावा उन्होंने उच्चतर शिक्षा विभाग के डॉ. प्रमोद तथा अनु गुप्ता की पुस्तक का विमोचन भी किया।

साप्ताहिक सूचना पत्र

पंचकूला में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की आधारशिला

(दिनांक 15.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज **पंचकूला के सेक्टर–32 में 30 एकड़ भूमि पर 800 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की आधारशिला रखी।** मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) द्वारा बनाए जाने वाले नए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का नाम डॉ. मंगल सेन के नाम पर रखा जाएगा। प्रारंभिक चरण में 500 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी और इस परियोजना पर 300 करोड़ रुपये के अतिरिक्त व्यय का अनुमान है पूरी परियोजना 30 महीने के भीतर पूरी होने की उम्मीद है। **इस मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस सीटें होंगी।**

साप्ताहिक सूचना पत्र

उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता संभालने के बाद, हमने राज्य के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित करने की घोषणा की थी। दो जिलों चरखी दादरी और पलवल को छोड़कर हर जिले में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित किए गए हैं। जिनमें से 6 सरकारी, 1 सहायता प्राप्त और 8 निजी सहित कुल 15 पहले ही संचालित हो चुके हैं ।

शेष जिले में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने की प्रक्रिया चल रही है। एक सवाल के जवाब में माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि **2014 में राज्य में 6 मेडिकल कॉलेज थे। 2014 और 2019 के बीच यह संख्या बढ़कर 12 हो गई, जो 2019 से वर्तमान तक 15 तक पहुंच गई है। सभी के पूरा होने पर भविष्य में मेडिकल कॉलेज की संख्या बढ़कर 29 हो जाएगी।** उन्होंने कहा कि सभी मेडिकल कॉलेजों के पूरा होने पर राज्य में एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या 3500 तक पहुंच जाएगी। स्वास्थ्य पेशेवरों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि **इन मेडिकल कॉलेज के संचालित होने के बाद राज्य को हर वर्ष 3500 डॉक्टर मिलेंगे। इसके अतिरिक्त, विशेष डॉक्टरों की आवश्यकता को पूरा करते हुए पीजी सीटों की संख्या 851 से बढ़कर 1200 हो जाएगी।**

उन्होंने कहा कि इन मेडिकल कॉलेजों के अंदर पैरा–मेडिकल कॉलेज और फिजियोथेरेपी कॉलेज भी स्थापित किये जायेंगे। इस व्यापक दृष्टिकोण का उद्देश्य राज्य में सामान्य और विशिष्ट चिकित्सा पेशेवरों दोनों की कमी को दूर करना है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 22 जनवरी को राज्य में शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है यह तो लोगों आस्था से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि जो लोग आस्था से दूर होने का फैसला करेंगे, उन्हें जनता दूर कर देगी।

साप्ताहिक सूचना पत्र

तीसरे मुख्य सचिवों सम्मेलन बैठक पर चर्चा

(दिनांक 16.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज **तीसरे मुख्य सचिवों सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों, विचार–विमर्श और लिए गए निर्णयों पर प्रस्तुतिकरण के संबंध में आयोजित एक बैठक की** अध्यक्षता कर कहा कि प्रदेश सरकार के सभी विभाग जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने और अपने डोमेन के भीतर विकासात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार लाएं ताकि हरियाणा भी केंद्र सरकार के साथ अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा कर सके। हालांकि कई क्षेत्रों में हरियाणा की बेस्ट प्रैक्टिसेज का अनुसरण किया जा रहा है, लेकिन फिर भी सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि हम निरंतर वृद्धि के लिए प्रयास करें और निर्धारित समय से पहले ही दिए गए लक्ष्यों को पार कर लें। बैठक में माननीय मुख्यमंत्री जी ने राज्य सरकार की नीतियों से संबंधित सभी पहलुओं पर एक अधिक व्यापक प्रणाली का प्रस्ताव करते हुए मौजूदा व्यवस्था का विकल्प तलाशने का भी सुझाव दिया।

साप्ताहिक सूचना पत्र

बैठक के दौरान मुख्य सचिव श्री संजीव कौशल जी ने माननीय मुख्यमंत्री जी को माननीय प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण के अनुरूप दिसंबर 2023 में दिल्ली में आयोजित मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में जानकारी दी।

इस सम्मेलन में कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच को प्राथमिकता देते हुए सेवा वितरण गुणवत्ता पर भी फोकस किया गया। **सम्मेलन में भूमि एवं संपत्ति, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और स्कूली शिक्षा सहित पांच मुख्य विषयों पर चर्चा की गई।**

इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा उभरती चुनौतियां; एआई पर परिप्रेक्ष्य, जमीनी स्तर की कहानियां आकांक्षी ब्लॉक और जिला कार्यक्रम; राज्यों की भूमिका योजनाओं और स्वायत्त संस्थाओं को युक्तिसंगत बनाना और पूंजीगत व्यय बढ़ाना; शासन में एआई चुनौतियाँ और अवसर पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए।

साप्ताहिक सूचना पत्र

हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण बैठक की अध्यक्षता

(दिनांक 17.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज यहां हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण जनरल बॉडी की तीसरी बैठक की अध्यक्षता कर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चूंकि **आज के समय में जोत भूमि छोटी होती जा रही है, इसलिए छोटे व सीमांत किसानों की आय में वृद्धि व प्रगति के लिए परंपरागत खेती के साथ–साथ नये दौर की कृषि प्रणाली अपनाने की जरूरत है।** पशुपालन के क्षेत्र में आज अपार संभावनाएं हैं, जिससे किसान व पशुपालक बेहतर आय प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, किसानों को सहकारिता खेती अवधारणा की और बढ़ने की आवश्यकता है, जिससे कई किसान मिलकर एक साथ खेती करें, इससे छोटी जोत भूमि की समस्या भी खत्म होगी और किसान खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की दिशा में भी बढ़ सकेंगे। इसलिए प्राधिकरण संबंधित विभागों के साथ मिलकर पायलट योजनाएं तैयार करे। **माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार ने फसल विविधीकरण व जल संरक्षण के लिए मेरा पानी मेरी विरासत योजना व डीएसआर**

तकनीक से धान की बिजाई के साथ–साथ विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन दे रही है, ताकि किसान परंपरागत खेती से हटकर अन्य फसलों की ओर जाएं। उन्होंने कहा कि विभाग समेकित खेती के लिए भी डेमोस्ट्रेशन फार्म तैयार करे और किसानों को ऐसे फार्म का दौरा करवाकर इस विधि की विस्तृत जानकारी दें। उन्होंने कहा शिवालिक व अरावली पर्वत श्रृंख्ला में बरसात के पानी के संरक्षण के लिए रिजर्वायर बनाया जाना चाहिए ताकि पहाड़ों से आनेवाले पानी का एकत्रित किया जा सके और बाद में इसे सिंचाई व अन्य आवश्यकताओं के लिए उपयोग किया जा सके। उन्होंने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके लिए पायलट परियोजना तैयार करें।

पशुपालन एवं डेयरी तथा विकास एवं पंचायत विभाग, सामाजिक संस्थाएं व गौ सेवा आयोग नई गौशालाएं खोलने के लिए एक त्रिपक्षीय समझौता करे। जहां–जहां पंचायती विभाग की जमीन उपलब्ध है, वहां पर नई गौशालाएं खोली जाएं। उन्होंने कहा कि **गौ वंश के संरक्षण व गो धन की देखभाल हेतु गौ सेवा आयोग का बजट 40 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये किया है।** इसमें 300 करोड़ रुपये नई गौशालाएं स्थापित करने के लिए आवंटित किया गया है।

उन्होंने कहा कि सांझी डेयरी अवधारणा के तहत भी पशुपालक डेयरी व्यापार करने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि **राज्य सरकार ने ग्रीन कवर को बढ़ावा देने हेतु योजना बनाई है, जिसके तहत स्थानीय युवा 3 वर्ष तक वन विभाग द्वारा लगाए गए पौधे की देखभाल करेगा। इन्हें वन मित्र कहा जाएगा।** इसके लिए विभाग हर गांव में 500 से 700 पेडों को चिन्हित कर वन मित्रों को सौपें। हर पेड़ की देखभाल के लिए वन मित्र को 10 रुपये प्रति पेड़ प्रोत्साहन स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने नेर्देश दिए कि वन विभाग के अधिकारी वन मित्र के लिए एसओपी भी तैयार करे।

साप्ताहिक सूचना पत्र

अंबाला गुरुद्वारा लखनौर साहिब में शिरकत

(दिनांक 17.01.2024)

प्रभाव : माननिय मुख्यमंत्री जी ने **श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाशोत्सव पर बुधवार को जिला अंबाला में गुरुद्वारा लखनौर साहिब में मत्था टेक कर गुरु जी का आशीवाद प्राप्त किया** और देश व प्रदेशवासियों की समृद्धि, भलाई व खुशहाली के लिए अरदास की।

उन्होंने उपस्थित साध संगत को गुरु गोबिन्द सिंह जी के प्रकाशत्सव की लख–लख बधाई देते हुए कहा कि आज सारे देश में गुरु गोबिन्द सिंह जी का प्रकाशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है।

गुरुद्वारा लखनौर साहिब जोकि गुरु गोबिंद सिंह जी का ननिहाल है और यहां पर उनकी व उनकी माता की भी यादें इस गुरुद्वारा में संजोकर रखी हुई हैं। जब हम अपने गुरुओं की बहादुरी, पराक्रम, कुर्बानियों व बलिदानों को याद करते हैं तो वह युवा पीढ़ी के लिये प्रेरणा का स्त्रोत हैं। **श्री गुरु गोबिन्द सिंह व उनके परिजनों का इतिहास व पराक्रम हम सबको प्रेरणा दे रहा है।** देश, धर्म व कोम के लिये बलिदान देना कितना जरूरी है, यह हमें अपने गुरुओं के इतिहास से पता चलता है। इस मौके पर **श्री गुरु गोबिंद सिंह जी व उनकी माता की यादें जिस कमरे में संजो कर रखी गई, उस कमरे का भी अवलोकन किया।** उन्होंने गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से गुरुद्वारा साहिब की पार्किंग में टाइलें व ऐतिहासिक कुएं के सौदंर्यीकरण करने के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश भी दिये।

साप्ताहिक सूचना पत्र

एमडीसी सेक्टर–3 पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम

(दिनांक 19.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी आज एमडीसी सेक्टर–3 पंचकूला में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर कहा कि **वर्तमान राज्य सरकार ने 2014 के बाद प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन के लिए अनेक पहल की हैं। टैक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उनके घर द्वार पर पहुंचाया जा रहा है।**

कुछ विपक्षी पार्टियां प्रदेश सरकार को पोर्टल की सरकार कहती है। उन्होंने कहा कि पोर्टल के प्रयोग से प्रदेश के लोगों का जीवन सुगम बना है और प्रदेश की जनता ऐसी पार्टियों को घर बैठाने का काम करेगी। **विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रदेश के हर गांव और वार्ड में पंहुचकर मौके पर ही लोगों की समस्याओं का समाधान करने के साथ–साथ एक समयबद्ध तरीके से**

योजनाओं का लाभ उपलब्ध करवा रही है। माननीय प्रधानमंत्री जी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नेता है और आज पूरा विश्व भारत का लोहा मान रहा है। उन्होंने गरीब लोगों की चिंता करते हुए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की है। सालाना पांच लाख रुपये की निशुल्क चिकित्सा सुविधा वाली आयुष्मान भारत योजना और माताओं बहनों के लिए निशुल्क गैस सिलेंडर और चूल्हे प्रदान करने के लिए लागू की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी अनेकों योजनाओं से गरीब लोगों का जीवन बदल गया है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

9वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव–2023 का समापन

(दिनांक 20.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज शनिवार को थिस्टी बायोटेक संस्थान में 9 वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए संबोधित कर कहा कि **हरियाणा प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प है।** नए वैज्ञानिक शोध नवाचार को बढ़ावा देने के लिए **हरियाणा सरकार फरीदाबाद या गुरुग्राम जिला में से एक में 50 एकड़ में साइंस सिटी की स्थापना करेगी।** इसके लिए जमीन की तलाश की जा रही है। 9वें विज्ञान महोत्सव की मेजबानी करने का अवसर हरियाणा को मिला है। कार्यक्रम के सफल आयोजन

साप्ताहिक सूचना पत्र

के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि **विज्ञान महोत्सव में छात्र, शिक्षक, शोधकर्ता, वैज्ञानिक, उद्यमी, शिक्षा –विद, स्टार्टअप तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भागीदारी की है।** उन्होंने कहा कि यह विज्ञान महोत्सव विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को उजागर करने तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े विभिन्न हितधारकों के बीच ज्ञान के अदान–प्रदान व चिंतन–मनन के लिए एक मंच उपलब्ध करवाता है।

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव देश का सबसे बड़ा विज्ञान महोत्सव है। इस विज्ञान महोत्सव का थीम श्साइंस एंड टेक्नोलॉजी रू पब्लिक आउटरीच इन अमृत कालश् बड़ा ही प्रासंगिक व समसामयिक है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2047 तक भारत को एक गौरवशाली, वैभवशाली, शक्तिशाली, समृद्ध व आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया हुआ है। इस संकल्प को पूरा करने में विज्ञान एवम प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

उन्होंने विज्ञान को प्रयोगशाला से बाहर निकालकर जमीनी स्तर तक पहुंचने के तरीकों को ढूंढने का आह्वान किया।

साप्ताहिक सूचना पत्र

उन्होंने कहा कि यह महोत्सव देश का सबसे बड़ा विज्ञान महोत्सव है। इस महोत्सव का उद्देश्य संपन्न भारत की प्रगति के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में रचनात्मकता को बढ़ावा देना तथा व्यापक स्तर पर लोगों को वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना है।

चार दिनों तक चले इस महोत्सव में 17 विषयों पर वर्कशॉप, संगोष्ठियों, विज्ञान प्रतियोगिताओं, प्रौद्योगिकी शो, प्रदर्शनियों आदि का आयोजन किया गया है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज **कई राष्ट्रीय मिशन जैसे कि स्पेस मिशन, नेशनल सुपर कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, मिशन, हाइड्रोजन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, डिजिटल वर्चुअल सिस्टम, ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, उद्योग, कृषि आदि ऐसे कई मिशन पर तेजी से काम चल रहा है।** उन्होंने कहा कि विज्ञान की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए हर जिले के 10 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान क्लबों की स्थापना की जा रही है। प्रदेश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शिक्षा एवं

अनुसंधान के लिए अलग से 6 सरकारी विश्वविद्यालय स्थापित किये गये हैं। इनके अलावा, जिला पलवल के गांव दुधोला में विश्वकर्मा कौशल विकास विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव उन लोगों के लिए एक आउटरीच उत्सव है, जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार से लाभान्वित हो सकते हैं।

साप्ताहिक सूचना पत्र

मानव रचना विश्वविद्यालय फरीदाबाद में राम राज्य पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन

(दिनांक 20.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी शनिवार को **मानव रचना विश्वविद्यालय फरीदाबाद में एक संवाद कार्यक्रम में सवालों के जवाब दे कर कहा कि राम व राष्ट्र पर्यायवाची शब्द है और राम के बिना राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती।** इस अवसर उन्होंने कहा कि 22 जनवरी का दिन लोगों के सैकड़ों वर्षों के संघर्ष व आस्था की जीत का दिन है। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की जनता से आह्वान किया कि **22 जनवरी को प्रत्येक व्यक्ति अपने घर में दीप अवश्य जलाए। राम हमारे रोम–रोम में बसे हुए हैं हम हर सुख और दुख में उन्हें याद करते हैं।** एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि धर्म नीति से जुड़ा हुआ विषय है और वह राजनीति से भी जुड़ा है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने 9 वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों को बताते हुए कहा

साप्ताहिक सूचना पत्र

कि हमने अपने शासनकाल में अंत्योदय की भावना के साथ आमजन के विकास के लिए कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की छोटी से छोटी समस्या को समझ कर उसके समाधान का कार्य किया है। एक सवाल का जवाब देते हुए माननीय **मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 9 साल पहले प्रदेश में बेटियों की संख्या 871 थी। इसके बाद बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जैसा सफल अभियान चलाया गया और आज प्रदेश में बेटियों की संख्या 932 पर पहुंच गई है।** उन्होंने कहा कि हमने हरियाणा में करप्शन, क्राइम, और कास्ट बेस्ट पॉलिटिक्स को खत्म किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में एंटी करप्शन ब्यूरो का गठन कर भ्रष्टाचार करने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर प्रहार किया । आज हम किसानों के विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। **हमने परंपरागत खेती से हटकर नेचुरल फार्मिंग पर जोर दिया। भावी पीढियों के लिए जल बचाना हमारा नैतिक कर्तव्य है इसलिए हमने धान की फसल को कम करने का आह्वान किसानों से किया और दूसरी फसल परिवर्तित करने पर किसानों को आर्थिक मदद भी पहुंचाई।** उन्होंने कहा कि पिछले 9 साल में हमने 11000 करोड रुपए किसानों को मदद के रूप में दिए।

साप्ताहिक सूचना पत्र

हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की बैठक

(दिनांक 20.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज **यहां वर्तमान में अनुपयोगी तथा खाली पड़े प्लॉट की निलामी के संबंध में बैठक की अध्यक्षता कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कई शहरों में अब मंडियां शहरों से बाहर शिफ्ट हो चुकी हैं, इस कारण बोर्ड की पुरानी व ऐसी अन्य संपत्तियों का एक पोर्टल बना कर उनकी जानकारी अपलोड की जाए। इसके बाद उनकी निलामी की जाएगी।**

इससे इन संपत्तियों का उचित उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा और बोर्ड को भी अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि इन संपत्तियों की निलामी हेतु आरक्षित मूल्य वाजिब रखा जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग निलामी में भाग ले सकें। इस कदम से एक ओर बोर्ड की आय में वृद्धि होगी तो वहीं प्राप्त राजस्व से मंडियों के आधारभूत ढांचा को और मजबूती मिलेगी। बैठक में जानकारी दी गई कि बोर्ड के पास 35 स्थानों पर अनुपयोगी प्लॉट या संपत्तियां जैसे पुराने कार्यालय भवन व स्टाफ क्वार्टर हैं, जिन्हें निलाम किया जाना है।

बैठक में बताया गया कि बोर्ड के पास कुल 37,364 प्लॉट हैं, जिनमें से 23,206 प्लॉट निलामी या आवंटित किए जा चुके हैं। अभी 14,158 प्लॉट खाली पड़े हैं, जिनकी बोर्ड ने आगामी 6 माह के लिए निलामी की रूपरेखा तैयार की है। इसके अनुसार प्लॉट की निलामी की जाएगी, जिससे लगभग 150 करोड़ रुपये का राजस्व आने की संभावना है। इसके अलावा, मार्केट कमेटियों की अनुपयोगी संपत्तियों की बिक्री से 50 करोड़ रुपये, विभिन्न स्थानों पर पेट्रोल पंप स्थल की बिक्री से लगभग 30 करोड़, वर्तमान मंडियों में शेष प्लॉटों की बिक्री से लगभग 300 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने की योजना है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

पानीपत में आयोजित श्री राम मंदिर शोभा यात्रा

(दिनांक 21.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने **अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर रविवार को पानीपत में आयोजित श्री राम मंदिर शोभा यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि पूरी दुनिया एक स्वर में आज राम को अपनी आस्था का आधार कह रही है।** राम का नाम कोई एक व्यक्ति से संबंधित नहीं है, राम एक राष्ट्र है, एक सांस्कृतिक विचार है। जिस तरह से श्री राम ने राष्ट्र के लिए अच्छा काम किया तो उनके राम राज्य की कल्पना सभी करने लगे। **इसी तरह पिछले 10 सालों में अच्छा राज चलाने का काम किया जा रहा है। राम राज्य की पूरे देश ही नहीं, राज्यों में भी प्रथा शुरू हो गई है।** राम राज्य के लिए कोई भी नीति बिना राम के कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने लोगों से अपील की कि 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को ऑनलाइन

जरूर देखें और **सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर इस उल्लास को दीपावली पर्व की तरह मनाएं।** जिस तरह राम जी ने जीवन की अपनी भूमिका में अपनी मर्यादा और अपने धर्म को निभाया, इस तरह के व्यवहार को अपने जीवन में भी अपनाएं। इस मौके पर प्रसिद्ध संगीतकार और गायक, कैलाश खेर ने अपने भजनों से रंगारंग प्रस्तुति दी और लोगों ने इसका आनंद उठाया।

साप्ताहिक सूचना पत्र

पत्रकारों से वार्ता

(दिनांक 21.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने रविवार को जिला **कुरुक्षेत्र में हरियाणा कला परिषद के परिसर में नगर निगम पार्षद एवं नगर परिषद चेयरमैन के प्रशिक्षण शिविर का दीपशिखा प्रज्जवलित करके शुभारंभ किया।**

उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री और प्रदेश के सभी नागरिकों को भगवान श्रीराम के घर आने की पूर्व संध्या पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 22 जनवरी को करोड़ों लोग दीपावली जैसा उत्सव मनाएंगे। इस पावन पर्व को लेकर करोड़ों लोगों के जहन में उत्साह और उमंग साफ देखा जा रहा है।

इसके उपरान्त पत्रकारों से बातचीत कर कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के विराजमान होने से देश और दुनिया के करोड़ों लोगों के मन की बात पूरी होगी। इस दिन का इंतजार पिछले 500 सालों से किया जा रहा था। इस इंतजार की घड़ियां 22 जनवरी, 2024 को भगवान श्रीराम के घर पहुंचने पर पूरी हो जाएंगी। इस कार्य के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी बधाई के पात्र है। उनके प्रयासों से ही करोड़ों लोगों की मनोकामना पूर्ण हो पाई है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या जाने के लिए सभी की ड्यूटियां और दिन निर्धारित किया गया है। **इस कड़ी के तहत 9 फरवरी को हरियाणा का दिन तय किया गया है।**

इस दिन प्रदेशवासी भगवान श्रीराम लला के दर्शन कर सकेंगे। **उन्होंने बैठक में शहरी क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की और अधूरे पड़े विकास कार्यों को तेज गति के साथ पूरा करने के आवश्यक दिशा –निर्देश दिए।** उन्होंने निर्देश दिए कि विकास कार्यों को निर्धारित समयावधि के अंदर पूरा करने के साथ–साथ विकास कार्यों की निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

साप्ताहिक सूचना पत्र

चंडीगढ़ तमिल संगम द्वारा आयोजित पोंगल महोत्सव में शिरकत करना

(दिनांक 21.01.2024)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने शनिवार देर सायं **चंडीगढ़ तमिल संगम द्वारा आयोजित पोंगल महोत्सवश् में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और देवी मां तमिल मंदिर का उद्घाटन किया।** उन्होंने संत कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और सभी को पोंगल महोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। **इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा शुद्ध तमिल भाषा में दिया गया पंद्रह मिनट का भाषण रहा। जब माननीय मुख्यमंत्री जी ने तमिल भाषा में अपना भाषण शुरू किया तब वहां उपस्थित लोग आश्चर्यचकित तथा आनंदित हो उठे और तमिल भाषा में अपना भाषण देने के लिए तालियों की गड़गड़ाहट से माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट किया।** माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तमिल भाषा

साप्ताहिक सूचना पत्र

को दुनिया की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक माना जाता है। **उन्होंने दर्शकों को संयुक्त राष्ट्र महासभा में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए भाषण का स्मरण करवाते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने महान तमिल संत 'कणियन पूंगुन्ड्रनार' द्वारा दिए गए वाक्य 'यादुम् ऊरे, यावरुम् केड़िर" का उल्लेख किया था, जिसका अर्थ है कि हम सभी स्थानों के लिए अपनेपन का भाव रखते हैं और सभी लोग हमारे अपने हैं"।**

उन्होंने कहा कि तमिल और उनके लोग हमेशा सार्वभौमिक भाईचारे के लिए खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के भीतर कुछ तत्व सक्रिय रूप से नस्ल, धर्म और भौगोलिक स्थिति जैसे कारकों के आधार पर कृत्रिम विभाजन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसी ताकतों को हम सभी को मिलकर हराना है। उन्होंने कहा कि **पूरा देश भगवान श्री राम की भक्ति में आनंदित है। उन्होंने दर्शकों से**

पोंगल समारोह समाप्त होने के बाद एक और दिवाली मनाने के लिए भी कहा। उन्होंने महेशपुर मद्रासी कॉलोनी के निवासियों के लिए आशियाना फ्लैटों की लंबे समय से चली आ रही मांग को भी स्वीकार करते हुए घोषणा की कि सभी पात्र लाभार्थियों को जल्द से जल्द फ्लैट आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने चंडीगढ़ तमिल संगम परिसर में भारती भवन को पूरा करने के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 11 लाख रुपये अनुदान देने की भी घोषणा की।